NEWSLETTER

Saturday, 09 November 2024, Volume - 122

News | Cotton Weekly Physical chart | Share Market Update | Important News

NORTH : **CENTRAL :** **SOUTH :**

GOLD : 77292 SILVER : 91270 CRUD : 5950

पिछले 5 वर्षों में भारत के सूती धागे के आयात और निर्यात की स्थिति

भारत का सूती धागा उद्योग पिछले पाँच वर्षों में काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा है, जिसमें घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों कारकों का प्रभाव पड़ा है। यहाँ इस दौरान आयात और निर्यात के प्रमुख रुझानों और कारकों का विश्लेषण दिया गया है:

1. निर्यात रुझान

• **2018-19:** भारत ने लगभग 1,080 मिलियन किलोग्राम सूती धागे का निर्यात किया। मुख्य निर्यात गंतव्य चीन, बांग्लादेश, मिस्र, और वियतनाम रहे। मजबूत कपड़ा उद्योग वाले देशों से मांग में स्थिरता थी।

• **2019-20:** वैश्विक मांग में कमी और व्यापारिक तनाव के कारण निर्यात में गिरावट आई, विशेषकर चीन के साथ व्यापार पर प्रभाव पड़ा।

• **2020-21:** कोविड-19 महामारी के कारण लॉकडाउन और लॉजिस्टिक बाधाओं से निर्यात में भारी गिरावट आई, जो लगभग 760 मिलियन किलोग्राम तक रह गया।

• **2021-22:** वैश्विक मांग में तेजी के कारण निर्यात में सुधार हुआ, विशेषकर बांग्लादेश और चीन में। निर्यात लगभग 1,000 मिलियन किलोग्राम तक पहुंचा।

• **2022-23:** वियतनाम और अन्य देशों की प्रतिस्पर्धा और घरेलू कपास की बढ़ती कीमतों के कारण निर्यात में मामूली गिरावट आई, जो लगभग 920 मिलियन किलोग्राम रहा।

2. आयात रुझान

• **2018-19 से 2022-23:** भारत आमतौर पर सूती धागे का कम आयातक रहा, क्योंकि घरेलू उत्पादन अधिकांश आवश्यकताओं को पूरा करता है। कुछ उच्च गुणवत्ता वाले धागे की आपूर्ति के लिए सीमित मात्रा में आयात किया गया।

• **2020-21:** महामारी के व्यवधानों के कारण घरेलू कमी आई, जिससे आयात में थोड़ी वृद्धि हुई।

• **2022-23:** आयात मुख्यतः उच्च गुणवत्ता वाले धागे के लिए किया गया, परंतु निर्यात की तुलना में इसकी मात्रा बहुत कम रही।

3. आयात-निर्यात प्रवृत्तियों को प्रभावित करने वाले मुख्य कारक

• **मूल्य अस्थिरता:** वैश्विक कपास की कीमतों में उतार-चढ़ाव भारतीय सूती धागे के निर्यात पर असर डालता है।

• **व्यापार नीतियाँ और शुल्क:** विशेषकर चीन और दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों के साथ व्यापार नीतियों में बदलाव ने भारतीय धागे की मांग को प्रभावित किया।

• **घरेलू मांग में वृद्धि:** भारत के कपड़ा उद्योग की बढ़ती मांग ने एक बड़ा घरेलू बाजार तैयार किया, जिससे अक्सर निर्यात के लिए अधिशेष सीमित रहा।

भारत का सूती धागा निर्यात क्षेत्र इन वर्षों में स्थिरता और लचीलापन प्रदर्शित करता है, लेकिन इसे घरेलू मूल्य दबाव और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

FOR MORE INFORMATION
CONTACT - +91 - 91119 77775

कपास बाजार की साप्ताहिक गतिविधि पर एक नजर

SMART INFO SERVICES CALL : 91116 77771 WEEKLY CHART 09.11.2024			
ICE COTTON			
MONTH	04.11.24	08.11.24	WEEKLY CHANGE
DEC	69.93	70.98	1.05
MAR'25	72.27	73.25	0.98
MAY'25	73.76	74.59	0.83
MCX (COTTON)			
NOV	55800	56000	200
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1549	1562	13
NCDEX (COCUD KHAL)			
DEC	2977	2968	-9
JAN	2898	2930	32
FEB	2905	2950	45
SMART INFO SERVICE		**CALL : 91116 77771**	
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	84.12	84.39	0.27
PAK (Pakistani Rupee)	277.538	277.994	0.456
CNY (Chinese yuan)	7.09721	7.17827	0.08106
BRAZIL (Real)	5.82974	5.73790	-0.09184
AUSTRALIAN Dollar	1.51675	1.51905	0.0023
MALAYSIAN RINGGITS	4.37320	4.39499	0.02179
COTLOOK "A" INDEX	82.20	82.00	-0.2
BRAZIL COTTON INDEX	68.66	68.67	0.01
USDA SPOT RATE	64.89	66.02	1.13
MCX SPOT RATE	55220	55160	-60
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	17800	18000	200
GOLD ($)	2753.90	2691.70	-62.2
SILVER ($)	32.940	31.420	-1.52
CRUDE ($)	71.50	70.44	-1.06

इस सप्ताह इंटरनेशनल मार्केट में मिला-जुला रुख देखने को मिला।

जहां दिसंबर में 1.05 सेंट, मार्च में 0.98 सेंट, और मई में 0.83 सेंट की बढ़त दर्ज हुई।

भारतीय बाजार में MCX पर कॉटन के दामों में भी नवंबर माह में 200 रुपये की बढ़त दर्ज की गई।

NCDEX पर कपास के भाव 13 रुपये प्रति 20 किलो तक बढ़े, वहीं खल के भाव में दिसंबर में 9 रुपये तक घटे, जबकि जनवरी में 32 रुपये, और फरवरी में 45 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़त दर्ज की गई।

दूसरे देशों के कॉटन मार्केट की बात करें तो कॉटलुक "ए" इंडेक्स में गिरावट हुई, USDA स्पॉट रेट में 1.13 सेंट की बढ़त दर्ज हुई, जबकि MCX स्पॉट रेट में 60 रुपये प्रति कैंडी की कमी देखने को मिली।

SMART INFO SERVICES
india.smartinfo@gmail.com
Call : 91116 77771

DATE: 09.11.2024

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	04.11.2024		09.11.2024		CHANGE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	5,660	5,680	5,720	5,730	50
HARYANA	27.5/28	5,670	5,670	5,700	5,700	30
UPPER RAJASTHAN	28	5,670	5,680	5,710	5,720	40
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	54,700	55,000	54,500	55,200	200
MADHYA PRADESH	29	54,300	54,500	54,300	54,500	0
MAHARASHTRA	29+ vid.	54,000	54,500	54,200	54,500	0
SMART INFO SERVICES CALL : 91116 77771						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5+	56,200	56,300	55,200	55,300	-1,000
KARNATAKA	29.5+	53,000	53,800	53,200	53,500	-300
ANDHRA PRADESH	29 mic 4+	54,000	54,500	54,000	54,500	0
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	53,000	54,000	53,500	54,500	500
NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.						
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy						

इस सप्ताह रुई बाजार में गिरावट देखने को मिला।

इस सप्ताह रुई बाजार में गिरावट देखने को मिला।

नॉर्थ ज़ोन के पंजाब में 50 रुपये, हरियाणा में 30 रुपये, और अपर राजस्थान में 40 रुपये प्रति मन तक की बढ़त दर्ज की गई।

वहीं, सेंट्रल ज़ोन के गुजरात में 200 रुपये प्रति कैंडी की बढ़त देखी गई, जबकि मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र में स्थिरता रही।

साउथ ज़ोन के कर्नाटक, ओडिशा में 300 से 1,000 रुपये प्रति कैंडी की कमी आई, जबकि तेलंगाना में 500 रुपये प्रति कैंडी की बढ़त देखी गई, वहीं आँध्रप्रदेश में स्थिरता रही। ।

कपास के आयात पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए, क्योंकि किसानों को कम उत्पादन से वित्तीय नुकसान का डर है।

कपास की घटती कीमतों को लेकर किसान चिंतित हैं, और अब कपास आयात पर प्रतिबंध लगाने की मांग जोर पकड़ रही है। महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना जैसे प्रमुख कपास उत्पादक राज्यों में फसल में अधिक नमी होने के कारण उपज प्रभावित हो रही है।

एमएसपी पर फसल खरीदने की मांग

कई किसानों को कपास की फसल के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) से भी कम दाम मिल रहे हैं, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति कमजोर हो रही है। किसान चाहते हैं कि सरकार उनकी फसल को MSP, जो कि 7,122 रुपये प्रति क्विंटल है, पर खरीदे।

कीमतों में गिरावट का अंदेशा

महाराष्ट्र, जहां लगभग 40 लाख किसान कपास की खेती करते हैं, देश में कपास उत्पादन में दूसरे स्थान पर है। हालांकि, घरेलू स्तर पर कपास की कीमतों में कमी आने की संभावना जताई जा रही है। यहां तक कि पर्याप्त उत्पादन के बावजूद बड़े पैमाने पर कपास आयात की बात कही जा रही है, जिससे कीमतों में और गिरावट हो सकती है।

आगामी राज्यसभा चुनाव के चलते महाराष्ट्र में कपास को लेकर राजनीति गरमा गई है। कुछ नेताओं का कहना है कि भारतीय कपास निगम के पास कपास का बड़ा स्टॉक है, जिसके चलते MSP पर कपास खरीदने की मांग बढ़ रही है। राज्य में वर्तमान में कपास की कीमत 6,500-6,600 रुपये प्रति क्विंटल के बीच है, जो कि MSP 7,122 रुपये से कम है। इसलिए किसान अपनी फसल बेचने में हिचकिचा रहे हैं और बेहतर कीमत की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

आयात पर रोक की मांग

राजनेताओं का कहना है कि देश में पहले से ही कपास का बड़ा भंडार है, इसलिए आयात पर तुरंत रोक लगाई जानी चाहिए। यदि आयात जारी रहा, तो कपास की कीमतों में और गिरावट आ सकती है, जिससे किसानों को बड़ा नुकसान होगा और व्यापारियों को लाभ।

मौसम की मार से फसल को नुकसान

बेमौसम बारिश के कारण कपास की फसल को काफी नुकसान हुआ है, जिससे किसान परेशान हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस साल लगभग 19 लाख हेक्टेयर कपास की फसल पर प्रतिकूल मौसम का असर पड़ा है। अधिक नमी के कारण कई क्षेत्रों में फसल अभी भी गीली है, जिससे बाजार में उसकी कीमत प्रभावित हो रही है।

NEWS OF THE WEEK

कॉटन यार्न की कीमतों में 10 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट, 40,000 करोड़ रुपये के निर्यात लक्ष्य पर भरोसा बढ़ा

बुने हुए कपड़े के उत्पादन में इस्तेमाल होने वाले कॉटन यार्न की कीमत में सोमवार को 10 रुपये प्रति किलोग्राम की कमी आई, जिससे निर्यातकों में नए साल और क्रिसमस के ऑर्डर आने के साथ ही उत्साह का माहौल है। निर्यातक इस मूल्य में कमी को घरेलू उत्पादन और निर्यात दोनों के लिए बढ़ावा के रूप में देख रहे हैं, जो 40,000 करोड़ रुपये के निर्यात लक्ष्य को प्राप्त करने के उनके लक्ष्य के अनुरूप है।

भारतीय कपास निगम द्वारा भीकनगांव मंडी में खरीद शुरू किए जाने से कपास की कीमतें ₹7,500 तक पहुँच गईं

भीकनगांव मंडी में गुरुवार को कपास की कीमतों में उछाल देखा गया, जो ₹7,500 प्रति क्विंटल के उच्चतम स्तर पर पहुँच गई, जिससे स्थानीय किसान काफी खुश हैं। यह वृद्धि भारतीय कपास निगम (CCI) द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) पर कपास की खरीद शुरू किए जाने के बाद हुई है।

देश भर के प्रमुख कपास उत्पादक राज्यों में इस सप्ताह कपास की आवक

SMART INFO SERVICES

ALL INDIA COTTON WEEKLY ARRIVAL

CALL : 91116 77771

STATE	04.11.24	05.11.24	06.11.24	07.11.24	08.11.24	09.11.24
PUNJAB	1,200	1,000	1,000	700	700	500
HARYANA	4,000	3,500	4,000	3,500	4,000	4,000
UPPER RAJASTHAN	4,000	3,000	2,500	2,000	1,500	2,500
LOWER RAJASTHAN	3,000	3,500	3,600	4,000	4,000	4,500
NORTH ZONE	12,200	11,000	11,100	10,200	10,200	11,500
GUJARAT	14,000	14,000	27,000	22,000	25,000	25,000
MADHYA PRADESH	10,000	9,000	9,000	11,000	12,000	10,000
MAHARASHTRA	20,000	20,000	20,000	20,000	20,000	20,000
CENTRAL ZONE	44,000	43,000	56,000	53,000	57,000	55,000
KARNATAKA	24,000	20,000	22,000	22,000	25,000	15,000
ANDHRA PRADESH	8,000	10,000	10,000	10,000	10,000	10,000
TELANGANA	15,000	22,000	25,000	27,000	39,000	40,000
TAMILNADU	-	-	-	-	-	-
SOUTH ZONE	47,000	52,000	57,000	59,000	74,000	65,000
ODISHA	-	-	50	50	-	50
TOTAL	103,200	106,000	124,150	100,200	141,200	131,550
ARRIVAL IN 170 Kg.						

बढ़ाएं अपना व्यापार

इंडस्ट्री से जुड़े 50 हज़ार से ज़्यादा लोगों तक पहुचाएं अपने व्यापार की हर जानकारी हमारे माध्यम से पाएं अपने व्यापार को बढ़ाने का

जानकारी के लिये संपर्क करें :-
+91-9111677775

NEWSLETTER

Saturday, 09 November 2024, Volume - 122

NORTH : **CENTRAL :** **SOUTH :**

GOLD : 77292 SILVER : 91270 CRUD : 5950

India's cotton yarn import and export status in the last 5 years

India's cotton yarn industry has seen a lot of fluctuation in the last five years, influenced by both domestic and international factors. Here is an analysis of the key trends and factors driving import and export during this period:

1. Export trends

• **2018-19:** India exported around 1,080 million kg of cotton yarn. The main export destinations were China, Bangladesh, Egypt, and Vietnam. Demand from countries with strong textile industries was stable.

• **2019-20:** Exports declined due to weak global demand and trade tensions, especially with China.

• **2020-21:** Lockdowns and logistical constraints due to the COVID-19 pandemic led to a sharp decline in exports, to around 760 million kg.

• **2021-22:** Exports improved due to a pick-up in global demand, especially from Bangladesh and China. Exports reached around 1,000 million kg.

• **2022-23:** Exports declined marginally to around 920 million kg due to competition from Vietnam and other countries and rising domestic cotton prices.

2. Import Trends

• **2018-19 to 2022-23:** India has generally been a low importer of cotton yarn as domestic production meets most requirements. Limited imports were made to supplement some high-quality yarn.

• **2020-21:** Pandemic disruptions led to domestic shortages, leading to a slight increase in imports.

• **2022-23:** Imports were mainly made for high-quality yarn, but the volume was much lower than exports.

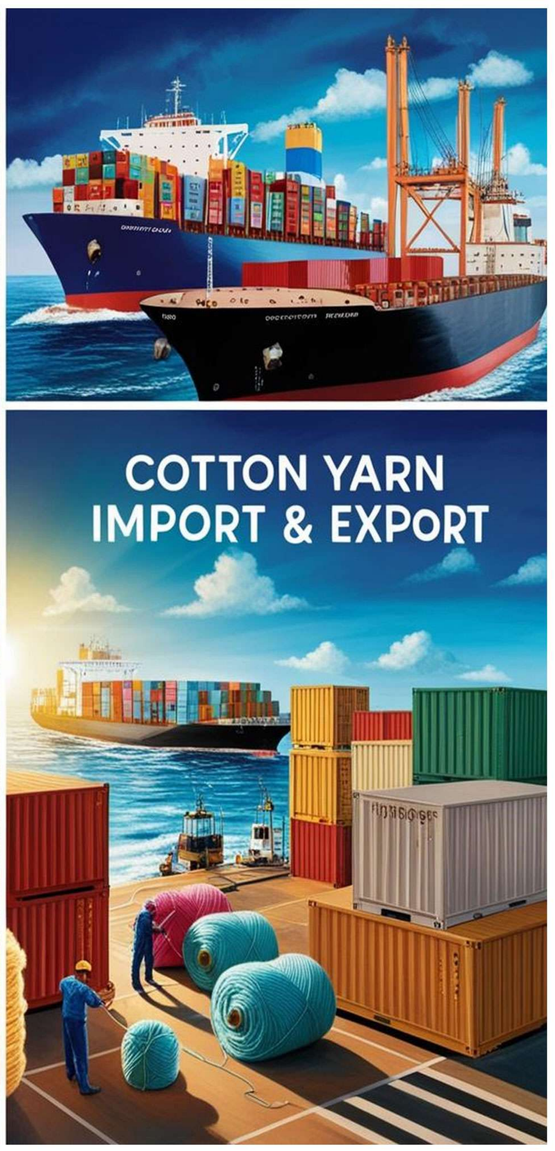

3. Key Factors Affecting Import--Export Trends

• **Price Volatility:** Fluctuations in global cotton prices impact Indian cotton yarn exports.

• **Trade Policies and Tariffs:** Changes in trade policies, especially with China and South-East Asian countries, impacted demand for Indian yarn.

• **Increasing domestic demand:** Increasing demand from India's textile industry has created a large domestic market, often limiting surpluses for exports.

India's cotton yarn export sector has displayed stability and resilience over the years, but it faces challenges from domestic price pressures and international competition.

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

FOR MORE INFORMATION
CONTACT - +91 - 91119 77775

look at the weekly movement of the cotton market

SMART INFO SERVICES CALL : 91116 77771 WEEKLY CHART 09.11.2024			
ICE COTTON			
MONTH	04.11.24	08.11.24	WEEKLY CHANGE
DEC	69.93	70.98	1.05
MAR'25	72.27	73.25	0.98
MAY'25	73.76	74.59	0.83
MCX (COTTON)			
NOV	55800	56000	200
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1549	1562	13
NCDEX (COCUD KHAL)			
DEC	2977	2968	-9
JAN	2898	2930	32
FEB	2905	2950	45
SMART INFO SERVICE		**CALL : 91116 77771**	
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	84.12	84.39	0.27
PAK (Pakistani Rupee)	277.538	277.994	0.456
CNY (Chinese yuan)	7.09721	7.17827	0.08106
BRAZIL (Real)	5.82974	5.73790	-0.09184
AUSTRALIAN Dollar	1.51675	1.51905	0.0023
MALAYSIAN RINGGITS	4.37320	4.39499	0.02179
COTLOOK "A" INDEX	82.20	82.00	-0.2
BRAZIL COTTON INDEX	68.66	68.67	0.01
USDA SPOT RATE	64.89	66.02	1.13
MCX SPOT RATE	55220	55160	-60
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	17800	18000	200
GOLD ($)	2753.90	2691.70	-62.2
SILVER ($)	32.940	31.420	-1.52
CRUDE ($)	71.50	70.44	-1.06

This week, a mixed trend was seen in the international market.

Where there was a rise of 1.05 cents in December, 0.98 cents in March, and 0.83 cents in May.

In the Indian market, cotton prices on MCX also registered a rise of Rs 200 in the month of November.

The price of cotton on NCDEX increased by Rs 13 per 20 kg, while the price of oil cake decreased by Rs 9 in December, while there was a rise of Rs 32 in January, and Rs 45 per quintal in February.

Talking about the cotton market of other countries, there was a decline in the Cotlook "A" index, USDA spot rate increased by 1.13 cents, while MCX spot rate saw a decline of Rs 60 per candy.

SMART INFO SERVICES

india.smartinfo@gmail.com

Call : 91116 77771

DATE: 09.11.2024

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	04.11.2024		09.11.2024		CHANGE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	5,660	5,680	5,720	5,730	50
HARYANA	27.5/28	5,670	5,670	5,700	5,700	30
UPPER RAJASTHAN	28	5,670	5,680	5,710	5,720	40
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	54,700	55,000	54,500	55,200	200
MADHYA PRADESH	29	54,300	54,500	54,300	54,500	0
MAHARASHTRA	29+ vid.	54,000	54,500	54,200	54,500	0
SMART INFO SERVICES CALL : 91116 77771						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5+	56,200	56,300	55,200	55,300	-1,000
KARNATAKA	29.5+	53,000	53,800	53,200	53,500	-300
ANDHRA PRADESH	29 mic 4+	54,000	54,500	54,000	54,500	0
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	53,000	54,000	53,500	54,500	500
NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.						
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy						

This week, the cotton market witnessed a decline.

This week, the cotton market witnessed a decline.

In the North Zone, Punjab witnessed a rise of Rs 50, Haryana Rs 30 and Upper Rajasthan Rs 40 per maund.

In the Central Zone, Gujarat witnessed a rise of Rs 200 per candy, while Madhya Pradesh and Maharashtra remained stable.

In the South Zone, Karnataka and Odisha witnessed a decline of Rs 300 to Rs 1,000 per candy, while Telangana witnessed a rise of Rs 500 per candy, while Andhra Pradesh remained stable.

Cotton imports should be banned, as farmers fear financial losses due to low production.

Farmers are worried about the falling prices of cotton, and now the demand for banning cotton imports is gaining momentum. In major cotton producing states like Maharashtra, Andhra Pradesh and Telangana, the yield is being affected due to high moisture in the crop.

Demand to buy crops at MSP

Many farmers are getting prices lower than the minimum support price (MSP) for cotton crop, which is weakening their financial condition. Farmers want the government to buy their crop at MSP, which is Rs 7,122 per quintal.

Expected fall in prices

Maharashtra, where about 40 lakh farmers cultivate cotton, ranks second in cotton production in the country. However, cotton prices are expected to fall domestically. Even despite adequate production, there is talk of large-scale cotton imports, which may further reduce prices.

Politics over cotton has heated up in Maharashtra due to the upcoming Rajya Sabha elections. Some leaders say that the Cotton Corporation of India has a large stock of cotton, due to which the demand for buying cotton at MSP is increasing. The current price of cotton in the state is between Rs 6,500-6,600 per quintal, which is less than the MSP of Rs 7,122. Therefore, farmers are hesitant to sell their crop and are waiting for a better price.

Demand for ban on import

Politicians say that there is already a large stock of cotton in the country, so imports should be banned immediately. If imports continue, cotton prices may fall further, causing great loss to farmers and profit to traders.

Crop damage due to weather

The cotton crop has suffered a lot due to unseasonal rains, due to which farmers are upset. According to reports, this year about 19 lakh hectares of cotton crop has been affected by adverse weather. The crop is still wet in many areas due to high moisture, affecting its price in the market.

NEWS OF THE WEEK

Cotton yarn prices fall by Rs 10 per kg, confidence boosted on Rs 40,000 crore export target

The price of cotton yarn, used in the production of knitwear, fell by Rs 10 per kg on Monday, raising the spirits of exporters as New Year and Christmas orders come in. Exporters are looking at this price reduction as a boost for both domestic production and exports, in line with their aim of achieving the Rs 40,000 crore export target.

Cotton prices jump to ₹7,500 as Cotton Corporation of India begins procurement at Bhikangaon mandi

Cotton prices in Bhikangaon mandi witnessed a jump on Thursday, hitting an all-time high of ₹7,500 per quintal, much to the delight of local farmers. The rise comes after the Cotton Corporation of India (CCI) began procurement of cotton at the minimum support price (MSP).

Grow your business now

Get every information about your business to more than 50 thousand people related to the industry. Get a golden opportunity to grow your business through us.

For more information, contact-
+91-9111677775

Cotton arrivals this week in major cotton producing states across the country

SMART INFO SERVICES

ALL INDIA COTTON WEEKLY ARRIVAL

CALL : 91116 77771

STATE	04.11.24	05.11.24	06.11.24	07.11.24	08.11.24	09.11.24
PUNJAB	1,200	1,000	1,000	700	700	500
HARYANA	4,000	3,500	4,000	3,500	4,000	4,000
UPPER RAJASTHAN	4,000	3,000	2,500	2,000	1,500	2,500
LOWER RAJASTHAN	3,000	3,500	3,600	4,000	4,000	4,500
NORTH ZONE	12,200	11,000	11,100	10,200	10,200	11,500
GUJARAT	14,000	14,000	27,000	22,000	25,000	25,000
MADHYA PRADESH	10,000	9,000	9,000	11,000	12,000	10,000
MAHARASHTRA	20,000	20,000	20,000	20,000	20,000	20,000
CENTRAL ZONE	44,000	43,000	56,000	53,000	57,000	55,000
KARNATAKA	24,000	20,000	22,000	22,000	25,000	15,000
ANDHRA PRADESH	8,000	10,000	10,000	10,000	10,000	10,000
TELANGANA	15,000	22,000	25,000	27,000	39,000	40,000
TAMILNADU	-	-	-	-	-	-
SOUTH ZONE	47,000	52,000	57,000	59,000	74,000	65,000
ODISHA	-	-	50	50	-	50
TOTAL	103,200	106,000	124,150	100,200	141,200	131,550
ARRIVAL IN 170 Kg.						